(ग) वर्ष 1989-90 की तुलना में 1990-91 के दौरान भारत के निर्यात में जिन मुख्य मदों में बढ़ोतरी हुई है उनमें शामिल हैं : वस्त्र, कृषि और सम्बद्ध उत्पाद इंजीनियरी उत्पाद, चमड़े और चमड़े से बनी वस्तुएं, अयस्क और खनिज समुद्री उत्पाद रसायन और सम्बद्ध उत्पाद परियोजना माल बागान तथा खेल-कूद के सामान । सरकार ने हाल ही में निर्यात आयात नीति में लाइसेंसिंग के द्वारा होने वाले नियंत्रण को कम करने सेक्टों द्वारा निर्यात को सुदृढ़ करने तथा आयात के बहुत बड़े क्षेत्र में आयात क्षमता को निर्यात आय से जोड़ने जैसे दूरगामी सुधारों की शुरुआत की है ।

उचित मूल्यों पर धागों की अनुपलब्धता

134. श्री अजीत जोगी :
कुमारी आलिया :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के बुनकरों को उचित मूल्यों पर और उचित समय पर पर्याप्त मात्रा में धागे उपलब्ध नहीं कराये जाते हैं जिनसे उनमें असंतोष फैला हुआ है ; और

(ख) यदि हां, तो इस स्थिति में सुधार लाने के लिए क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री अशोक गहलोत) : (क) और (ख) अनेक वर्षों से बुनकरों को यार्न की कुल उपलब्धता में बराबर वृद्धि होती रही है। कुछ स्थानीयकृत क्षेत्रों में दुहरे यार्न के विशेष काउन्टों के उत्पादन और मांग में कभी-कभी विमेलन होने की स्थिति को छोड़कर, यार्न की कमी/अनुपलब्धता के बारे में कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। कुछ वर्षों से कपास और अन्य अन्तर-निविष्टियों की कीमतों में वृद्धि होने के कारण यार्न की कीमतों में वृद्धि हुई है। इस समय बुनकरों को यार्न की उपलब्धता पर्याप्त है तथा उसकी मांग के अनुसार है। यार्न की कीमतें, मांग और पूर्ति की बाजार की बाध्यताओं पर निर्भर करती है क्योंकि यार्न पर कोई कीमत नियंत्रण नहीं है।

सरकार अपनी भूमिका से अवगत है और इसलिए वह यार्न की उपलब्धता तथा कीमतों की बराबर मानीटरी करती रहती है तथा उसने इसकी स्थिति की बराबर समीक्षा करते रहने के लिए वस्त्र आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इसके अतिरिक्त सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के जरिए सहकारी क्षेत्र में समग्र यार्न की सप्लाई बढ़ाने के उद्देश्य से अतिरिक्त इकाइयों की स्थापना के लिए एक निश्चित नीति अपनाई है।

सरकार ने हथकरघा बुनकरों की यार्न की उपलब्धता में सुधार लाने के एक मात्र विशेष उद्देश्य से राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम की स्थापना की है। वर्ष 1990-91 में निगम ने 6628 लाख रु. से अधिक मूल्य के 139 लाख कि.ग्रा. से अधिक यार्न की सप्लाई की है।

Strike by Hospital Staff

135. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether there have recently been frequent strikes by doctors, nurses and other para-medical staff in the Central Government Hospitals; if so, what are the reasons therefor; and

(b) what steps have been taken or are being taken to sort out matters and discipline these doctors, nurses and other para-medical staff to be more humane in their functioning and desist from resorting to such strikes off and on?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D. K. THARA DEVI): (a) In the recent past, there have been no frequent strikes by the Doctors, Nurses and other para-medical staff of Central Government Hospitals.

(b) Regular meetings are taken by the officials of Central Government Hospitals with staff side in order to look into the